1. यह दावा/प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा ....212 R.T.A.C.
का द्वारा श्री युसुफ अहमद ..... के द्वारा प्रस्तुत हुआ है।
2. कोर्ट फीस [illegible]
3. [illegible]
4. दस्ता[illegible]
5. वाद [illegible] अवलोकनार्थ
सादर प्रस्तुत है।

श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय — शाखा लिपिक/रीडर
25-2-22

आगामी पेशी व
रिकार्ड तलब मौका
रिपोर्ट हेतु पेश हो
14-3-22

14-3-22 वकील वादी उप०। इंतजार तामिल आयन्दा दि० 5-4-22 को पेश हों।

5-4-22 वकील वादी उप०। इंतजार तामील मे नियतथी। प्रतिवादी। अप्रार्थी की तामील प्राप्त हो चुकी है। वास्ते गौर तामील दिनांक 18-4-22 को पेश हो।

18-4-22 वकील वादी उप०। वास्ते गौर तामील दिनांक 25-4-22 को पेश हों।

25-4-22 वकील वादी उप०। मूलवाद में अप्रार्थीगण की एकपक्षीय कार्यवाही हो चुकी है। अतः प्रार्थना पर 212 आर०टी० एक्ट तयफैसला दावा स्थगित/निस्तारण से पाबन्द किया जाता है। पत्रावली पर कायम शुमार होकर संलग्न मूलवाद रहे।